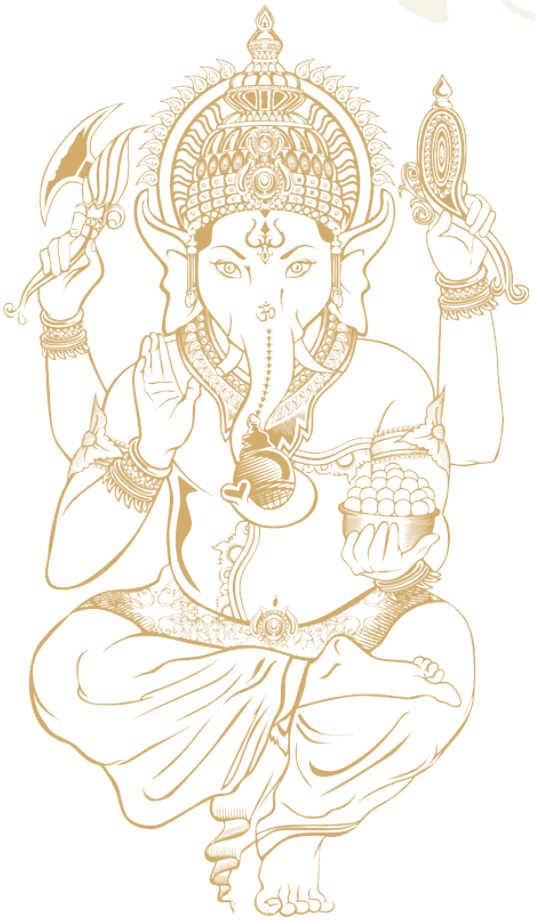

Mr.

12 Nov 1998

05:22 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120351806

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11-12/11/1998**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**05:22:00 घंटे**
इष्ट	56:43:30 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:00:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:02 घंटे
साम्पातिक काल	08:24:32 घंटे
सूर्योदय	06:40:36 घंटे
सूर्यास्त	17:29:34 घंटे
दिनमान	10:48:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	25:32:43 तुला
लग्न के अंश	07:45:56 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ब्रह्म
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	07:45:56	311:35:15	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
सूर्य			तुला	25:32:43	01:00:21	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	नीच राशि
चंद्र			सिंह	06:48:35	12:24:07	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	27:20:56	00:34:50	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	18:19:37	00:58:20	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
गुरु	व		कुंभ	24:19:38	00:00:19	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र		अ	तुला	28:46:28	01:15:18	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	स्वराशि
शनि	व		मेष	04:50:17	00:04:19	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	नीच राशि
राहु	व		सिंह	03:58:25	00:00:06	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	03:58:25	00:00:06	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	15:13:08	00:01:13	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:49:14	00:01:02	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	13:22:16	00:02:16	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कर्क	09:58:39	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:17

लग्न-चलित

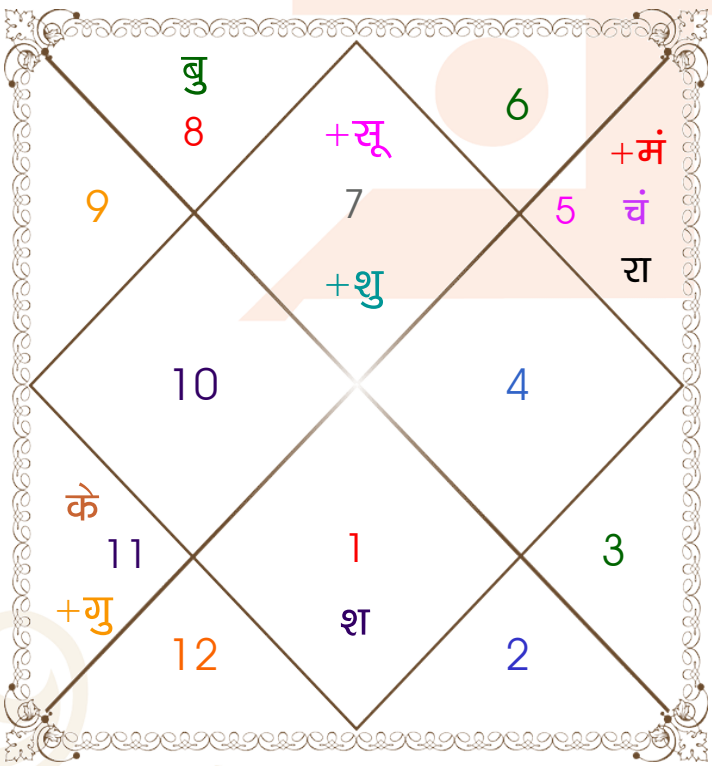

चन्द्र कुंडली

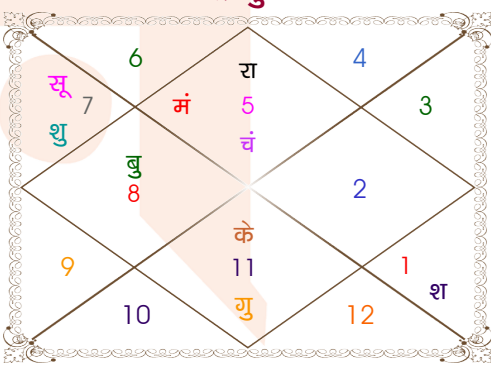

नवमांश कुंडली

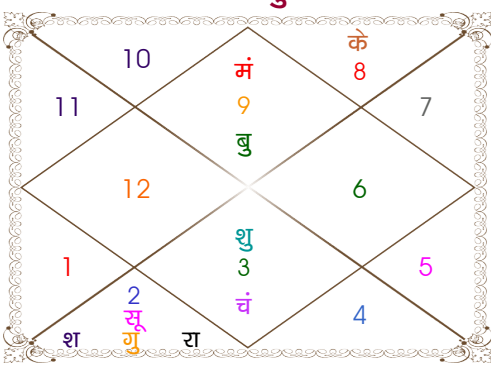

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 5 मास 3 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/11/1998		16/04/2002		16/04/2022		15/04/2028		16/04/2038	
16/04/2002		16/04/2022		15/04/2028		16/04/2038		15/04/2045	
	00/00/0000	शुक्र	15/08/2005	सूर्य	03/08/2022	चंद्र	14/02/2029	मंगल	12/09/2038
	00/00/0000	सूर्य	15/08/2006	चंद्र	02/02/2023	मंगल	15/09/2029	राहु	30/09/2039
	00/00/0000	चंद्र	15/04/2008	मंगल	10/06/2023	राहु	17/03/2031	गुरु	05/09/2040
	00/00/0000	मंगल	15/06/2009	राहु	03/05/2024	गुरु	16/07/2032	शनि	15/10/2041
	12/11/1998	राहु	15/06/2012	गुरु	20/02/2025	शनि	14/02/2034	बुध	12/10/2042
राहु	04/04/1999	गुरु	14/02/2015	शनि	02/02/2026	बुध	16/07/2035	केतु	10/03/2043
गुरु	10/03/2000	शनि	16/04/2018	बुध	09/12/2026	केतु	14/02/2036	शुक्र	10/05/2044
शनि	18/04/2001	बुध	14/02/2021	केतु	16/04/2027	शुक्र	15/10/2037	सूर्य	14/09/2044
बुध	16/04/2002	केतु	16/04/2022	शुक्र	15/04/2028	सूर्य	16/04/2038	चंद्र	15/04/2045

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/04/2045		16/04/2063		16/04/2079		16/04/2098		17/04/2115	
16/04/2063		16/04/2079		16/04/2098		17/04/2115		00/00/0000	
राहु	28/12/2047	गुरु	03/06/2065	शनि	19/04/2082	बुध	12/09/2100	केतु	13/09/2115
गुरु	22/05/2050	शनि	15/12/2067	बुध	27/12/2084	केतु	10/09/2101	शुक्र	12/11/2116
शनि	28/03/2053	बुध	22/03/2070	केतु	05/02/2086	शुक्र	10/07/2104	सूर्य	20/03/2117
बुध	16/10/2055	केतु	26/02/2071	शुक्र	06/04/2089	सूर्य	17/05/2105	चंद्र	19/10/2117
केतु	02/11/2056	शुक्र	27/10/2073	सूर्य	19/03/2090	चंद्र	16/10/2106	मंगल	17/03/2118
शुक्र	03/11/2059	सूर्य	15/08/2074	चंद्र	19/10/2091	मंगल	14/10/2107	राहु	13/11/2118
सूर्य	27/09/2060	चंद्र	15/12/2075	मंगल	26/11/2092	राहु	02/05/2110		00/00/0000
चंद्र	28/03/2062	मंगल	20/11/2076	राहु	03/10/2095	गुरु	07/08/2112		00/00/0000
मंगल	16/04/2063	राहु	16/04/2079	गुरु	16/04/2098	शनि	17/04/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 5 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव के उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखते हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकते हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि के श्रद्धावान हो सकते है। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगे। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहते हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकते हैं।

आप निश्चय पूर्वक धनी होंगे। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगे। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शक नहीं करेंगे कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृति रखते हैं। परंतु आप अपनी पत्नी के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगे। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपनी पत्नी एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगे।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगे। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगे। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरूदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होंगी। आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उदेश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगे। आप अपने अच्छी शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि के प्राणी होंगे।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपक सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृति को उत्पन्न करता है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगे। आप वास्तव में मित्रों के मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।